बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)

आपदा प्रबंधन का उचित ज्ञान। बचा सकता है सबकी जान।।

अगलगी

गर्मी के दिनों में जब तेज पछुआ हवा चलती है तो हमारे गांवों में अगलगी की घटनाएं बड़े पैमाने पर होती हैं। फलतः हमारे घर, खेत, खलिहान एवं जान-माल को अगलगी से भारी क्षति पहुँचती है। अगलगी से बचाव हेतु उपाय :

क्या करें -

- रसोई घर यदि फूस का हो तो उसकी दीवाल पर मिट्टी का लेप अवश्य लगा दें।
- रसोई घर की छत ऊँची रखी जाये।
- आग बुझाने के लिए घर में बोरे में भरकर बालू अथवा मिट्टी तथा दो बाल्टी पानी अवश्य रखें।
- हवन आदि का काम सुबह नौ बजे से पहले सम्पन्न कर लें।
- शार्ट सर्किट की आग से बचने के लिए बिजली वायरिंग की समय पर मरम्मत करा लें।
- मवेशियों को आग से बचाने के लिए मवेशी घर के पास पर्याप्त मात्रा में पानी का इंतजाम रखें एवं उनकी निगरानी अवश्य करते रहें।
- पटाखे जलाते समय पानी की बाल्टी तथा रेत की पर्याप्त व्यवस्था रखें।
- जहाँ तक संभव हो गर्मियों में दिन का खाना 9 बजे सुबह से पूर्व बना लें तथा रात का खाना शाम 6 बजे के बाद बनाएँ।
- ग्रामीण क्षेत्रों मे हरा गेहूँ, खेसारी, छीमी भी बच्चे भुनते हैं। ऐसे में आग लगने से बचने के लिए उनपर निगरानी रखें।
- आग लगने पर सर्वप्रथम समुदाय के सहयोग से आग बुझाने का प्रयास करें।
- आवश्यकता होने पर आग बुझाने हेतु फायर बिग्रेड (101 नम्बर) एवं प्रशासन को तुरंत सूचित करें एवं उन्हें सहयोग करें।
- अगर कपड़ों में आग लगे तो नीचे दिए गए चित्र के अनुसार जमीन पर लेटकर / लुढ़क कर बुझाने का प्रयास करें।

- बिजली के लूज तारों से निकली चिनगारी भी आग लगने का कारण बन जाती है। अतएव जहाँ कहीं लूज तार दिखे उसकी सूचना बिना देर किये उर्जा विभाग/संबंधित बिजली कंपनी के अभियंताओं को दें।

क्या न करें -

- दीपक (दीया), लालटेन, मोमबत्ती को ऐसी जगहों पर न रखें जहाँ से गिरकर आग लगने की संभावना हो।
- कटनी के बाद खेत में छोड़े डंठलों में आग नहीं लगायें।
- घर में किसी भी उत्सव के लिए लगाये कनात अथवा टेन्ट के नीचे से बिजली के तार को न ले जायें
- जहॉ पर सामूहिक भोजन बनाने इत्यादि का कार्य हो रहा हो, वहॉ पर दो से तीन ड्रम पानी अवश्य रखें। भोजन बनाने का कार्य तेज हवा के समय नहीं करें।
- जलती हुई माचिस की तीली अथवा अधजली बीड़ी एवं सिगरेट पीकर इधर–उधर ना फेंकें।
- खाना बनाते समय ढीले–ढाले और पॉलिस्टर के कपड़े पहनकर खाना न बनायें। हमेशा सूती कपड़ा पहन कर ही खाना बनायें।
- सार्वजनिक स्थलों, ट्रेनों एवं बसों आदि में ज्वलनशील पदार्थ लेकर न चलें।

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

समाहरणालय, नालंदा

आपदा की स्थिति में सम्पर्क करें :

जिला आपातकालीन संचालन केन्द्र, फोन–61122–33168, एस.डी.पी.ओ., मो. : 9431800111, एस.डी.ओ., मो. : 9473191217
जिला अग्निशाम पदाधिकारी, बिहारशरीफ, मो. : 9955640679, अग्निशाम पदाधिकारी, राजगीर, मो. : 9534313437
प्रभारी पदाधिकारी आपदा प्रबंधन, मो. : 9939978075